



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 2
PART I—Section 2

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 4] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 20, 1992/चैत्र 31, 1914
No. 4] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 20, 1992/CHAITRA 31, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1992

संख्या ए-11013/31/91—प्रशा.अधि. :- राष्ट्रपति, प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985
(1985 का 13) की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यायमूर्ति श्री
बी.एस. मडिमट (सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश, केरल उच्च न्यायालय) को न्यायमूर्ति श्री अमिताभ बैनर्जी के
स्थान पर जो 4 दिसम्बर, 1991 को अपनी कार्यवाही की समाप्ति पर केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के अध्यक्ष

पर से कार्य-मुक्त हो गए हैं, 5 दिसम्बर, 1991 से केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. स्थायवृत्ति श्री बी.एस. मडिमथ को सेवा भत्ते समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन तथा भत्ते एवं शर्तें) नियमावली, 1985 द्वारा शासित रहेगी।

आर. रामणी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS
(Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th April, 1992

No. A-11013/31/91-AT.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the President is hereby pleased to appoint Shri Justice V. S. Malimath (retired Chief Justice, Kerala High Court) as the Chairman of the Central Administrative Tribunal with effect from 5th December, 1991 vice Shri Justice Amitav Banerji who ceased to hold office as the Chairman of the Central Administrative Tribunal upon completion of his term of office on the 4th December, 1991.

2. The Conditions of Service of Shri Justice V. S. Malimath shall be governed by the Central Administrative Tribunal (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, as amended from time to time.

R. RAMANI, Jt. Secy.